उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह मार्च, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 मार्च से 31 मार्च 2017 तक)

1. दिनांक 28 मार्च 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (OER) विषय पर कौशल विकास उन्नयन पर एक दिनी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला समन्वयक –डॉ जितेन्द्र पांडे, सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस ने ओ ई आर की अवधारणा की शुरूआत की और कार्यशाला की प्रतिभागियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर साइंस ने सभी विशेषज्ञों का स्वागत किया और कार्यशाला के प्रतिभागियों ने ओ0ई0आर0के लाभों को प्रस्तुत किया। मा0 कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने ओ ई आर के महत्व को बताया और इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि एस एल एम के विकास के लिए ओ ई आर कितने महत्वपूर्ण हैं। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमा कांजीलाल, MHRD द्वारा मनोनीत राष्ट्रीय समन्वयक, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र **Massive Open Online Courses** (MOOCs) एवं निदेशक अन्तर विश्वविधालय संघ (इंटर यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम), इग्नू, नई दिल्ली ने शैक्षिक संसाधनों के निर्माण के लिए भारत सरकार की विभिन्न पहलुओं के संबंध में बताया। अतिथि प्रोफेसर पी0के0 विस्वास, निदेशक, स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेन्स एज्युकेशन (STRIDE), इग्नू ने SWAYAM PRABHA - DTH project के सम्बन्ध में बताया। कॉमनवेल्थ शैक्षणिक राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) के डॉ मानसरंजन ने 6 मानक रचनात्मक खुले लाईसेंसों के सम्बनध में बताया। सत्र में डॉ मिथिली, उप निदेशक, (STRIDE), इग्नू ने मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टन (LMS) में ओईआर का उपयोग कर पाठ्य सामग्री बनाने पर प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के 30 संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस (OER) विषय पर एक दिनी कार्यशाला

2. दूरस्थ शिक्षा ब्यूरों से डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की अनुमति प्राप्त होने पर, अपने निकायों से परिक्षण के पश्चात दिनांक 22 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 10वीं बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2017-18 से आरम्भ किए जाने वाले निम्न नवीन पठ्यक्रमों की स्वीकृति प्रदान की गई-

1. साइबर सुरक्षा (Cyber Security) – UGC के दिशानिर्देशानुसार

2. संस्कृत भाषा में प्रमाण पत्र - प्राचीन भाषाओँ के प्रसार हेतु
3. सर्टिफिकेट कोर्स इन इंडस्ट्रियल स्किल एण्ड प्रोसेस- कौशल उन्मुख हेतु
4. सर्टिफिकेट कोर्स इन रेडियो प्रोडक्शन एण्ड प्रोग्रामिंग- कौशल उन्मुख हेतु
5. डिप्लोमा इन इन्फॉमेशन टैक्नौलॉजी - कौशल उन्मुख हेतु
6. वैदिक अध्ययन में प्रमाण पत्र – प्राचीन ज्ञान व परम्पराओं के प्रसार हेतु
7. वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा - प्राचीन ज्ञान व परम्पराओं के प्रसार हेतु

उक्त सभी पाठयक्रम दक्षता बढाने वाले एवं भारतीय प्राचीन ज्ञान एवं परम्पराओं के प्रसार से सम्बन्धित हैं |

3. दिनांक 30-31 मार्च, 2017 विश्वविद्यालय में कम्यूनिटी रेडियो विभाग द्वारा 'कम्यूनिटी रेडियो इन इंडिया चैलेंजेज एंड पॉसिबिलिटीज ऑफ नॉलेज शेयरिंग' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य सभा टीवी के पूर्व संपादक और वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश द्वारा रेडियो के प्रयोग एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में बताया गया। सेमीनार को संबोधित करत हुए दिल्ली से आए कॉमन कॉज संस्था के डायरेक्टर श्री विपुल मुदगल ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो का पहला कार्य उस कम्यूनिटी से जुड़ाव है, जहां वह चल रहा है। इसके माध्यम से हम आपदा संकट, पर्यावरण संरक्षण आदि सामाजिक कार्यों में विशेष भूमिका निभा सकते है। उनके द्वारा आज के डिजिटल मीडिया के युग में कम्युनिटी रेडियो की संभावनाओं को बढ़ावा देने एवं आने वाले समय में इसकी भूमिका के सम्बन्ध में बताया गया। कुलपति नागेश्वर राव द्वारा कम्युनिटी रेडियो की दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका के सम्बन्ध में बताया, क्योंकि दूर-दराज में बैठे शिक्षार्थियों के लिए कम्यूनिटि रेडियो शिक्षण का उचित माध्यम बन सकता है। सेमीनार की दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए बीबीसी दिल्ली के संपादक श्री राजेश जोशी ने कम्युनिटी रेडियो के कार्यों व उनके दायित्वों को विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने कम्यूनिटी रेडियो और लोकतंत्र के रिश्तों पर अपनी बात भी रखी। सेमीनार के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक समाज विद्याशाखा ने कम्यूनिटी रेडियो के कार्यकलापों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी साथ ही समाज में इसके महत्व को भी बताया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए दस प्रतिभागियों ने कम्यूनिटी रेडियो को लेकर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

4. दिनांक 02 मार्च, 2017 को Spoken Tutorial Project, IIT Mumbai के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आहूत की गई। विश्वविद्यालय का IIT Mumbai के साथ इस परियोजना हेतु पूर्व से ही अनुबंध है। उक्त संस्थान के प्रतिनिधियों द्वारा विषय संबंधी जानकारी दी गयी। Spoken Tutorial Project आई0आई0टी0, मुम्बई द्वारा संचालित ऑनलाईन पाठ्यक्रमों का कोष है जिसके द्वारा छात्रों/शिक्षकों को ऑनलाइन/दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसमें नामंकन तथा परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् IIT Mumbai द्वारा प्रमाण पत्र दिया जायेगा। कुलपति जी द्वारा समस्त समन्वयकों को बैठक में प्रतिभाग करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्क्रमों में उक्त परियोजना का लाभ विद्यार्थियों को मिल सके।

5. दिनांक 06 मार्च 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव समाल्टा (चकराता) देहरादून में एक कार्यक्रम उत्तराखण्ड विज्ञान, शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र एवं उत्तराखण्ड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के साथ मिलकर सम्पन्न किया गया। विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान के प्रति छात्रों में उत्सुकता जगाने हेतु यूसेक व यूसर्क के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया। इसमें लगभग 100 छात्रों-शिक्षकों एवं 25 ग्रामीणों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों व छात्रों में विज्ञान सम्बन्धी विषयों में उनकी रूचि को बढ़ाना व इन विषयों के सम्बन्ध में उपलब्ध नवीनतम जानकारी से उनको अवगत कराना था |

सभी वक्ताओं के परिचय के पश्चात डॉ0 सुभाष रमोला द्वारा कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली व समाल्टा जैसे उत्तराखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में इसकी आवश्यकता के सम्बन्ध में लोगों को अवगत कराया गया। इसके पश्चात् श्री नरेन्द्र जगूड़ी, समन्वयक, मॉडल अध्ययन केन्द्र, परिसर देहरादून द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, शुल्क व प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी दी गई।

दूरस्थ शिक्षा की जानकारी के पश्चात् डॉ0 एस0 के0 खन्ना, आई0आई0एस0 देहरादून के वैज्ञानिक द्वारा ईंधन के महत्व एवं उपयोग के बारे में ग्रामीणों एवं छात्रों को जानकारी दी गई। तत्पश्चात् डॉ0 आर0 एस0 राणा, यूसर्क द्वारा विज्ञान शिक्षा एवं कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा का भविष्य में होने वाले लाभों के संबंध में अवगत कराया गया। श्री सोहन सिंह रावत, भारत विज्ञान समिति द्वारा दैनिक जीवन से जुड़े कई प्रकार के वैज्ञानिकप्रयोगों से छात्रों एवं ग्रामीणों को अवगत कराया। श्री सौरभ डंगवाल द्वारा रिमोट सेसिंग तकनीक और उततराखण्ड की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंध के समय उसकी उपयोगिता के संबंध में ग्रामीणों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय से योग शिविर की रूपरेखा योग शिक्षक

श्री वीरेन्द्र द्वारा तैयार की गयी जिसमें दैनिक जीवन में उपयोगी योग आसनों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी और छात्रों को योगाभ्यास कराया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किए गये कार्यक्रम की शिक्षकों, छात्रों एवं ग्रामीणों के लाभ को देखते हुए और विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा भविष्य में इस प्रकार के अन्य कार्यक्रम कराने हेतु विश्वविद्यालय से आग्रह किया गया। इसके पश्चात् ग्रमीणों को उच्च शिक्षा, योग, तकनीकी ज्ञान आदि के प्रचार-प्रसार हेतु पम्पलेट वितरित किए गये।

6. दिनांक 21 मार्च 2017 को मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच पी शुक्ला, निदेशक मानविकी के निर्देशकत्व में एम. ए. ज्योतिष पाठयक्रम निर्माण समिति की बैठक हुई , जिसमें आहूत बाह्य विषय विशेषज्ञों (प्रोफेसर शिवाकांत झा, प्रोफेसर चंद्रमा पाण्डेय एवं डॉ. कामेश्वर उपाध्याय) द्वारा एम ए. ज्योतिष पाठयक्रम के प्रथम व द्वितीय वर्ष के कुल 9 (नौ) प्रश्न पत्रों का निर्माण किया गया | राष्ट्रीय स्तर पर दूरस्थ शिक्षा में परास्नातक स्तर पर ज्योतिष पाठयक्रम प्रारम्भ करने का यह पहला प्रयास है |

7. दिनांक 3 एवं 18 मार्च, 2017 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार CEMCA नई दिल्ली द्वारा आयोजित सलाहकार सह परामर्श समिति (Advisory cum consultative committee) की बैठक में मा0 कुलपति द्वारा सदस्य के

रूप में प्रतिभाग किया गया। बैठक में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि सहित देश के विभिन्न संस्थाओं से आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमें भारत में उच्च शिक्षा के सम्बन्ध में ओ0ई0आर0नीति तैयार किए जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। ओ0ई0आर0नीति के सम्बन्ध में तैयार किए गये ड्राफ्ट को शीघ्र ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया । मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् उच्च शिक्षा के सम्बन्ध में ओ0ई0आर0 नीति लागू की जायेगी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपनी ओ0ई0आर0 पॉलिसी के निर्माण के पश्चात कार्यकारी परिषद् द्वारा अंगीकृत किया गया , जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

8. दिनांक 8 मार्च, 2017 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अन्तर्गत राज्य में उच्च शिक्षा सुधार के सम्बन्ध में आयोजित किए गये Choice Based Credit System पर एक दिवसीय ओरिएण्टेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 गगन सिंह, सहा0 प्रध्यापक, वाणिज्य तथा डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहा0 प्रध्यापक, प्रबन्ध द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न विश्वविधालयों व कॉलेजों में Choice Based Credit System को अपनाये जाने के सम्बन्ध में विशेषज्ञों द्वारा विचार प्रस्तुत किए गए | साथ ही जिन संस्थाओं द्वारा पहले ही Choice Based Credit System लागू किया गया,उनके द्वारा Choice Based Credit System के सम्बन्ध में अपने अनुभव सभी प्रतिभागियों के साथ सांझे किए गए |

9. वर्तमान में विश्वविधालय द्वारा जिन विषयों की अध्ययन सामग्री अन्य विश्वविधालयों जैसे वी एम ओ यू, कोटा व एम पी भोज मुक्त विश्वविधालय, मध्य प्रदेश से मंगवाई जा रही थी, उन विषयों जैसे इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, वाणिज्य, प्रबन्ध अध्ययन आदि की स्व-निर्मित्त अध्ययन सामग्री के निर्माण पर कार्य किया जा रहा है | इससे विश्वविधालय की अन्य सस्थाओं पर अध्ययन सामग्री के लिए निर्भरता कम हो जाएगी |

10. दिनांक 8 मार्च, 2017 को मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में महिला दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मा0 कुलपति जी द्वारा महिलाओं को अपनी शक्ति पहचानने एवं संवेदनशील बनने पर सुझाव दिया। उन्होने कहा कि महिलाओं के योगदान को किसी भी कीमत पर कम नहीं आका जा सकता है, उन्हें और मजबूत बनाये जाने की जरूरत है, और कहा कि महिलाएं दया की नहीं सम्मान की पात्र है। कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र ने महिलाओं की समस्याओं पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री ममता कुमारी, सहा0 प्रध्यापक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के में डा0 प्रीति बोरा, नेहा अत्री व कंचन बिष्ट ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की चतुर्थ श्रेणी महिला कार्मिक श्रीमती लीला बेलवाल को मा0 कुलपति जी द्वारा सम्मानित किया गया।

11. वित्तीय वर्ष 2016-17 में शासन से मानक मद 35 पूँजीगत परीसम्पत्तियों का सृजन, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन के द्वितीय चरण निर्माण हेतु प्रविधानित धनराशि ₹ 100 लाख के सापेक्ष द्वितीय किस्त दिनांक 30 मार्च, 2017 को धनराशि ₹ 30.00 लाख स्वीकृत किया गया। उक्त के अतिरिक्त दिनांक 14 मार्च, 2017 को शासन द्वारा मानक

मद 20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता में कुल प्रविधानित धनराशि ₹ 113.00 लाख के सापेक्ष धनराशि ₹50.00 लाख स्वीकृत किया गया एवं इस मद में कुल प्रविधान के तहत ₹ 63.00 लाख अवमुक्त होना शेष है।

12. दिनांक 31 मार्च, 2017 को विश्वविधालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों के लैगिंक उत्पीडन के निराकरण, निषेद, एवं इसमें सुधार विनिमय, पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विश्वविधालय के समस्त महिला कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया |
13. मार्च 2017 में मान्यता बोर्ड, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा की विशेषज्ञ समिति, वित्त समिति व विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठेकें आयोजित की गई।
14. मार्च माह में योग पाठ्यक्रम की कार्यशाला किच्छा योग केन्द्र में सम्पन्न करायी गयी। छात्रों को योग व विभिन्न आसनों के सम्बन्ध में छात्रों को इन कार्यशालाओं के माध्यम से अवगत कराया जाता है | इसी तरह की कार्यशाला आगामी माह में हरिद्वार में प्रस्तावित है |

प्रवेश

- प्रवेश हेतु प्रथम बार शुरू किए शीतकालीन सत्र-जनवरी माह में लगभग 11000 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। देश के अन्य दूरस्थ विश्वविद्यालयों की तरह शुरू किए गए इस प्रयास में आशातीत सफलता प्राप्त हुई है |
- ग्रीष्मकालीन सत्र के प्रवेश अप्रैल माह से प्रारम्भ सत्र 2017-18 हेतु तैयारिया की जा रहीं है।

परीक्षा

- मार्च माह में विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षा जनवरी-2017 के समस्त पाठ्यक्रमों (कुल-49) का पूर्ण परीक्षाफल प्रथम बार 40 दिवसों में घोषित किया गया।
- माच माह में 126 मूल उपाधियॉ, 62 अन्तरिम उपाधि एवं पुर्नमूल्यांकन की अंकतालिकाएं को वाहक/डाक से प्रेषित किया गया।
- मार्च माह में पत्राचार व दूरभाष के माध्यम से प्राप्त परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान, अन्य शासन व सत्यापन पत्राचार आर0टी0आई एवं अन्य महत्वपूर्ण परीक्षा संबंधित प्रकरणों पर कार्य किए गये।
- आगामी वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा जून-2017 हेतु परीक्षा केन्द्रों से सम्पर्क, बैठकें एवं प्रश्नपत्र निर्माण की कार्यवाही की गई।

विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॉ

1. दिनांक 17 अप्रैल, 2017 को आयोजित विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2015-16 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां एवं 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। UG/PG Chancellor Medal का विद्यापरिषद् से अनुमोदन हुआ है | दीक्षान्त समारोह की तैयारियों हेतु विभिन्न समितियों/उपसमितियों का निर्माण किया गया है। उपाधियॉ प्राप्त करने हेतु अब तक 300 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन तथा ऑफलाइन अवेदन दिया है।

अन्य गतिविधियॉ

2. दिनांक 22-23 एवं 27-28 मार्च, 2017 को एम0एस0डब्ल्यू IV सेमेस्टर की कार्यशाला का आयोजन देहरादून एवं हल्द्वानी में किया गया। जिसमें देहरादून में 130 तथा हल्द्वानी में 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

- डॉ. गगन सिंह द्वारा Khwaja Moinuddin Chishti Urdu, Arabi-Farsi University, Lucknow द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय "Goods & Service Tax: Issues & Challenges, "संगोष्ठी में 19 मार्च 2017 को विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया गया|
- डॉ. गगन सिंह द्वारा The Deen Dayal Upadhyay KAUSHAL Kendra, S.B.S. Govt. P.G. College , Rudrapur (U.S. Nagar), द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "Transforming Indians through Skill Development & Technological Advancement" में 25th मार्च, 2017 को विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया गया।
- माह मार्च में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह की तैयारियां, वर्ष 2017-18 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

.....